अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : अप्रैल/मई 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : भरतनाट्यम्

दि. 10/10/2021 **समय : सुबह 9 से 12** **कुल अंक : 75**

सूचनाएँ : (१) दस में से कोई भी पाँच पूर्ण प्रश्न हल करें।
(२) प्रत्येक प्रश्न के अंक मुख्य प्रश्न के सामने () में दिए गए हैं।

प्र. 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : **(15)**

(A) सही उत्तर के साथ रिक्त स्थान भरें :

(i) तान और पद ------ के प्रकार हैं।

(ii) मंडल भेद के ------ प्रकार हैं।

(iii) जब ताल पहले आता है और उसके बाद गीत, तो इसे ------ ग्रह कहा जाता है।

(iv) ------ नायिका अपने नायक से मिलने जाती है।

(v) संबंधित रस के अनुरूप ------ स्थिर भाव होते हैं।

(B) कॉलम का मिलान करें :

(i)	सीता	(a)	श्रृंगार
(ii)	सम्भोग	(b)	स्वकिया
(iii)	भगवान राम	(c)	निरुत्ति हस्त:
(iv)	नाट्यरम्भ	(d)	शिखर और कपित मुद्रा
(v)	खटवा-शकता	(e)	पताक

(C) निम्नलिखित का नाम दें :

(i) एक नायिका जो अपने नायक की वफादारी पर संदेह करती है।

(ii) सूर्यास्त के बाद किया गया तांडव।

(iii) स्थानक भेदो के कोई २ नाम।

(iv) एक नृत्य जो अंजलि हस्त से शुरू होता है।

(v) भरतनाट्यम में नर्तक की सहायता के लिए इस्तेमाल किया जानेवाला एक ताल वाद्य।

प्र. 2. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : **(15)**

(A) निम्नलिखित के उत्तर दो-चार वाक्यों में दे :

(i) पार्वती हस्त का श्लोक

(ii) पंचजाथी की परिभाषा

(iii) करकट हस्त का विनियोग

(iv) हस्त प्रचार-परिभाषा और नाम

(v) यति की परिभाषा और प्रकार

(B) सही या गलत बताएं :

(i) खंडिता नायिका धोखेबाज होने के लिए अपने नायक को माफ कर देती है।

(ii) अद्‌भुत रस को बाद में अष्टरस की सूची में जोड़ा गया।

(iii) भयानक रस का स्थिर भाव जुगुप्सा है।

(iv) कर्नाटक संगीत में 155 ताल हैं।

(v) निरुपण के प्रारूप को तंजोर क्वार्टेट द्वारा संशोधित किया गया था।

प्र. 3. 'अष्टनायिका' शब्द से आप क्या समझते हैं ? अवस्थ भेद के आधार पर इसके प्रकारों की व्याख्या कीजिए। (15)

प्र. 4. अभिनय दर्पण के विषय के बारे में विस्तार से लिखें। (15)

प्र. 5. नाट्य की उत्पत्ति और उसके महत्व की व्याख्या करें। (15)

प्र. 6. भरतनाट्यम में दश प्राण का क्या महत्व है ? (15)

प्र. 7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (पाँच में से कोई तीन) : (15)

(1) लोकधर्मी और नाट्यधर्मी

(2) तांडव और उसके प्रकार

(3) भरतनाट्यम का वाचिकाभिनय

(4) वृति और उनके प्रकार

(5) ताल के अंग

प्र. 8. भरतनाट्यम के पुनरुद्धार का विवरण दें। (15)

प्र. 9. आधुनिक नृत्य और शास्त्रीय नृत्य का तुलनात्मक विश्लेषण लिखें। (15)

प्र. 10. भारत के किन्हीं तीन प्रकार के शास्त्रीय नृत्यों के बारे में विस्तार से लिखें। (15)